

प्राप्तक,

आर्थिक पालीवाल,
सचिव न्याय एवं विधि प्रशासनी
उत्तराखण्ड शासन

गोपा मे.

निदेशक,
उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी,
महाली, नैनीताल ।

न्याय अनुसार-१

येत्तरादूः : दिनांक २५ जनवरी, २०१०

विषय- उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, महाली नैनीताल को लिये सूचित अस्थायी पदों की नियन्त्रणता बढ़ाया जाना ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्यालय इपाप संख्या- १-एक (१०)प्रतीक्षा (१) / न्याय अनु०/२००४ दिनांक २६-१०-२००४ एवं शासनादेश संख्या- १-एक (१०) / प्रतीक्षा (१) / २००५ -५८३ / ०१ दिनांक ३१-१०-२००५ द्वारा उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी भवाली नैनीताल हेतु सूचित अस्थायी पदों के अनुक्रम ने शासनादेश संख्या- ३०/XXXVI(1)एक/०८-५८३/२००१ दिनांक ८ फरवरी २००९ के सहर्षे से नृष्ट यह काहने रोक निदेश हुआ है कि वी राज्यपाल, उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, महाली, नैनीताल को लिये अस्थायी काप से रूपेत जमी जटी को नियन्त्रणता दर्तमान रात्रि एवं प्रतिवर्षीय वी अधीन रहि ये विना पूर्ण सुखना के पहले ही समाप्त न कर दिये जाए दिनांक १-३-२०१० से २८-२-२०११ तक बढ़ाये जाने वी सहर्षे रूपेत रोकायी जाना चाहते हैं ।

२- वरक्त पर होने वाला व्यय आगामी वित्तीय वर्ष २०१०-२०११ ले जाय-ज्याक वी अनुदान संख्या-०५०० अलंकृत इन्द्रियारोपिक "२०१४-न्याय प्रशासन-००-आयोडिनेलर-०००-भव्य व्यव-०१ उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी-००" के अलंकृत गुरुगत प्रायग्रीक इकाइयों के नृने जाता जायेगा ।

३- यह जारीत वित्त विभाग के कार्यालय इपाप संख्या- १-१-१२७०/७८-दस दिनांक २० जुलाई, १९८८ साप्तित कर्त्तव्य इपाप संख्या- १-२-८७७/८८-१२-२४(४)/१२ दिनांक २-११-१२ (यथा उत्तराखण्ड राज्य मे प्रत्युत) द्वारा प्रशासनीय विभागों को प्रतिनियन्ति किये गये अधिकारों के अन्वयीत प्रसारित किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

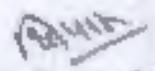
(आर्थिक पालीवाल)
सचिव,

संख्या- १४(१)/XXXVI(1)एक/१०-५८३/२००१ समविनाकित

प्रतिलिपि विभागीयत जो सुनिश्च एवं आवश्यक कार्यालयी हेतु प्रेक्षित-

- १- नहानेन्यायकार (तेजा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड माज्जा, देहान्तुन ।
- २- नहानेन्यायकार, नहु उत्तराखण्ड राज्य न्यायालय, नैनीताल ।
- ३- एरिक्ट वोधालीगारी, नैनीताल ।
- ४- वित्त अनुदान-५/कर्त्तव्य अनुष्ठान/एन्ड्रॉडॉली/पाठ्य फाईल ।

आड्डा सं.


(लौकी पाली)
अनु सचिव,